



सुशासन
का साल
छत्तीसगढ़
हुआ नवुशाहाल

25
रजत जयंती वर्ष
छत्तेश्वर



जनादेश परब

पर प्रदेश की जनता का
कोटि-कोटि आभार...

13 दिसम्बर 2024



श्री जगत प्रकाश नड्डा
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
रसायन एवं उर्वरक मंत्री, भारत सरकार

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे



छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

राजनीति में जब विषय को किसी संस्था पर भरोसा नहीं रह जाता है तो विषय भी देख की जनता के लिए भरोसे लायक नहीं रह जाता है। आज देश के विषय को न्यायालय पर भरोसा नहीं है, अदालत विषय के अनुकूल फैसला दे तो ठीक नहीं तो अदालतें निष्पक्ष नहीं रह जाते हैं। चुनाव में विषय हार जाए तो चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं रह जाता है, विषय राज्य में चुनाव जाए तो चुनाव आयोग निष्पक्ष हो जाता है। मीडिया विषय के अनुकूल खबर घापे, प्रसारित करें तो मीडिया निष्पक्ष है, मीडिया विषय के अनुकूल खबर न घापे, प्रसारित न करें तो मीडिया निष्पक्ष नहीं रह गया है। संसद में लोकसभा अध्यक्ष उनकी बात न मानें तो वह पक्षपात करते हैं। गजयसभा में सभापति विषय की हर बात न सुनें तो सभापति पक्षपात करते हैं। लोकतंत्र में किसी को तानाशाही की इजाजत नहीं दी जा सकती वह सत्ता पक्ष हो जाए तो विषय को संवैधानिक संस्थाओं की परंपरा व नियमों का पालन करना चाहिए। उसकी गिराव का खाल रखना चाहिए। विषय तो न्यायालय से अपेक्षा करता है कि उसे विषय की भूमिका निबाही चाहिए यानी सत्ता पक्ष की हमेशा आलोचना करनी चाहिए, सत्ता पक्ष के खिलाफ करता है कि चुनाव आयोग वैष्य ही करें जैसा विषय चाहता है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि हम यहां मीडिया, जांच एजेंसियों

और न्यायपालिका की ओर से अकेले लड़ाई लड़ रहे हैं। भारत की यही असलियत है। इस पर पर्याप्त सीजीआई चंद्रचूड़ ने कहा था कि यह गलत धरणा है कि विधायिका में न्यायपालिका को विषय की भूमिका निभानी चाहिए। हम वहां कानून की समीक्षा के लिए हैं। लोगों को यह मानकर नहीं चलाना चाहिए कि संसद या विधानसभा में विषय की भूमिका होती है, वैसे भूमिका न्यायपालिका को न्याय क्षेत्र में निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को रख रहे हैं। न्यायपालिका का इस्तेमाल करने की ओर रख रहे हैं। उसके कंधे पर बंदूक रखकर निशाना लगाना चाह रहे हैं। अदालत को विषय राजनीति का अखाड़ा बनाना चाहता है। जो बात चंद्रचूड़ ने न्यायपालिका के लिए कही है, वही बात चुनाव आयोग, जांच एजेंसियों, मीडिया, संसद पर रख रहे हैं। वह सत्ता पक्ष हो जाए तो विषय को नियमित होती है। वह सब संस्थाओं की अपनी अधिकारी विषय को रख रहे हैं। विषय को उनको लगता है कि हम लोग कमज़ूर हैं, हम लोग मोदी को हरा जाते हैं तो उनको लगता है कि हम लोग आयोग की भूमिका निबाही चाहिए, वह संसद के सभापति, चुनाव आयोग सबको हमारा सहायता करना चाहिए। उनको विषय की भूमिका निभानी चाहिए। राहुल गांधी पीपल मोदी के दोनों सदनों के अध्यक्षों से यह अपेक्षा क्यों करता है कि वह उसकी बात माने। वह चुनाव आयोग से बहुत चाहता है कि चुनाव आयोग वैष्य ही करें जैसा विषय चाहता है। वह इसके लिए लड़ रहे हैं, उनका साथ कोई नहीं दे रहा है। अदालत वह सबीं को जैसा विषय चाहता है। वह

चिंतन

भारतीय संस्कृति को विलुप्त होने से बचाएं

कुदरत द्वारा रचित अनमोल खूबसूरत सूटि में भारत आदि अनादि काल से संस्कृति संस्थान बढ़े बुजुर्गों को



मान सम्मान संस्कृत परिवार प्रथा सहित सभी गुणों में विश्वाल टवटक्स की भाँति फलता फूलता रहा है। हमारे बड़े बुजुर्गों ने स्वर्णलोक, स्वर्ण, अनुभूति इस सूटि में धरती पर अपनी की बीच किया देखा और सुख भोगा है। उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल ही घर, परिवार, संयुक्त परिवार के बाहर आयोग देने वाला, छत्रछाया में जीवन जीने की अनंद ही कुछ और है। परंतु वर्तमान परिषेष में धीरे-धीरे हमारे देश के अधिकांश युवा पाश्चात्य संस्कृति के साथ में बड़े बुजुर्गों की नजर आंदोंजाएँ और समर्पित भाव से जीवन जीने का सुख, अनगोल क्षण के साथ साएँ जीवन जीने का अनंद ही कुछ और है।

परिवार एक मजबूत सूख की छाँव देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने पर अमल करने, अगे बढ़ाने और समर्पित भाव से जीवन जीने का सुख, अनगोल क्षण के साथ साएँ जीवन जीने का अनंद ही कुछ और है।

उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल ही घर, परिवार, संयुक्त

परिवार एक मजबूत सूख की छाँव देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने पर अमल करने, अगे बढ़ाने और समर्पित भाव से जीवन जीने का सुख, अनगोल क्षण के साथ साएँ जीवन जीने का अनंद ही कुछ और है।

उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल ही घर, परिवार, संयुक्त

परिवार एक मजबूत सूख की छाँव देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने का सुख, अनगोल क्षण के साथ साएँ जीवन जीने का अनंद ही कुछ और है।

उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल ही घर, परिवार, संयुक्त

परिवार एक मजबूत सूख की छाँव देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने का सुख, अनगोल क्षण के साथ साएँ जीवन जीने का अनंद ही कुछ और है।

उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल ही घर, परिवार, संयुक्त

परिवार एक मजबूत सूख की छाँव देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने का सुख, अनगोल क्षण के साथ साएँ जीवन जीने का अनंद ही कुछ और है।

उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल ही घर, परिवार, संयुक्त

परिवार एक मजबूत सूख की छाँव देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने का सुख, अनगोल क्षण के साथ साएँ जीवन जीने का अनंद ही कुछ और है।

उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल ही घर, परिवार, संयुक्त

परिवार एक मजबूत सूख की छाँव देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने का सुख, अनगोल क्षण के साथ साएँ जीवन जीने का अनंद ही कुछ और है।

उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल ही घर, परिवार, संयुक्त

परिवार एक मजबूत सूख की छाँव देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने का सुख, अनगोल क्षण के साथ साएँ जीवन जीने का अनंद ही कुछ और है।

उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल ही घर, परिवार, संयुक्त

परिवार एक मजबूत सूख की छाँव देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने का सुख, अनगोल क्षण के साथ साएँ जीवन जीने का अनंद ही कुछ और है।

उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल ही घर, परिवार, संयुक्त

परिवार एक मजबूत सूख की छाँव देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने का सुख, अनगोल क्षण के साथ साएँ जीवन जीने का अनंद ही कुछ और है।

उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल ही घर, परिवार, संयुक्त

परिवार एक मजबूत सूख की छाँव देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने का सुख, अनगोल क्षण के साथ साएँ जीवन जीने का अनंद ही कुछ और है।

उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल ही घर, परिवार, संयुक्त

परिवार एक मजबूत सूख की छाँव देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने का सुख, अनगोल क्षण के साथ साएँ जीवन जीने का अनंद ही कुछ और है।

उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल ही घर, परिवार, संयुक्त

परिवार एक मजबूत सूख की छाँव देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने का सुख, अनगोल क्षण के साथ साएँ जीवन जीने का अनंद ही कुछ और है।

उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल ही घर, परिवार, संयुक्त

परिवार एक मजबूत सूख की छाँव देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने का सुख, अनगोल क्षण के साथ साएँ जीवन जीने का अनंद ही कुछ और है।

उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल ही घर, परिवार, संयुक्त

परिवार एक मजबूत सूख की छाँव देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने का सुख, अनगोल क्षण के साथ साएँ जीवन जीने का अनंद ही कुछ और है।

उन अपार सुख क



सुशासन
का साल
छत्तीसगढ़
हुआ रुकुशहाल

जनादेशा परब

पर प्रदेश की जनता का
कोटि-कोटि आभार...

13 दिसम्बर 2024

रंगाद आर.ओ. 42415/79



श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे





विष्णु के सुथासन से सँवर एहा छत्तीसगढ़



CMYK

सुशासन और विश्वास के
जनादेश के 1 वर्षभाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं
केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रीश्री जेपी नड्डा जी
का छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर
हार्दिक अभिनंदन...जनादेश
परबविद्याल
जनसभा

दोपहर 02:00 बजे

साइंस कॉलेज मैदान, रायपुर

श्री जेपी नड्डा जी
के करकमलों द्वारा
स्मृति मंदिर
का
लोकार्पण

सायं 04:30 बजे

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय
कुशाभाऊ ठाकरे परिसर, रायपुर, छत्तीसगढ़

भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

CMYK

ATU